**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**

**31.07.2024 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1528 का उत्तर**

**वापी को दमन से और ऊना रेलवे स्टेशन को दीव से जोड़ने के लिए सर्वेक्षण**

**1528. श्री उमेषभाई बाबूभाई पटेल:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) क्या सरकार ने वापी (गुजरात) को दमन तथा ऊना रेलवे स्टेशनों (गुजरात) को दीव से जोड़ने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है;**

**(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;**

**(ग) क्या सरकार इस वित्तीय वर्ष के दौरान दमन और दीव को रेलवे द्वारा गुजरात से जोड़ने की किसी योजना पर विचार कर रही है;**

**(घ) यदि हां, तो इन स्थानों को रेलवे द्वारा कब तक जोड़े जाने की संभावना है; और**

**(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।**

*********

वापी को दमन से और ऊना रेलवे स्टेशन को दीव से जोड़ने के लिए सर्वेक्षण के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री उमेषभाई बाबूभाई पटेल के अतारांकित प्रश्न सं. 1528 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): दमन-वापी-नासिक (210 किलोमीटर) नई रेलवे लाइन के निर्माण संबंधी सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया गया था। इस परियोजना में कम यातायात का अनुमान है। बहरहाल, वापी दमन से मात्र 11 किलोमीटर दूर स्थित एक पहले से मौजूद रेलवे स्टेशन है।

इसके अलावा, दीव देलवाड़ा रेलवे स्टेशन से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर है, जो मौजूदा रेल नेटवर्क के माध्यम से ऊना से जुड़ा हुआ है।

भारतीय रेलों पर रेलवे परियोजनाओं को स्वीकृत करना सतत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। रेल अवसंरचानात्मक परियोजनाओं की लाभप्रदता, अंतिम छोर पर संपर्क, अनुपलब्ध कड़ियों और वैकल्पिक मार्गों, भीड़-भाड़/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक पहलुओं आदि के आधार पर शुरू किया जाता है जो चालू परियोजनाओं की दायिताओं, निधि की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

*****